



An Enlightened Woman

संस्कृता



Volume: 1

Issue: 2

April 2022

SANSKRITA - DIALOGUE 1

'Sanskrita' is the forum where I can connect with ease with all of you. I feel you all can also avail this opportunity to say something for the development of SNDT Women's University. So much is happening at all fronts of our university. A record of those activities is possible through Sanskrita.

Churchgate campus, Juhu campus, Pune campus and now upcoming Shriwardhan campus are the hubs of manifestation of ideas which you all conceive. Any idea which needs to be appreciated or acknowledged can be the part of these pages. You may also forward your hurdles and challenges, which can probably be resolved if understood by all.

Many initiative at academic, administrative and infrastructure level have been taken to further strengthen existing potency. No less than complete excellence of utmost level in 'Academics' is the first and foremost priority. All the measures suggested by you have been incorporated in the 'vision document 22-26'. The soft copy of the same has been emailed to all the departments and colleges. If not received yet please write to vcoffice@sndt.ac.in and read it, this is your document please share your views especially the criticism and suggestions. Not for improving the document but for enhancing the quality of Academics, Administration and the Infrastructure at SNDT Women's University. Together we can do it.



❁ Prof. Ujwala Chakradeo
Vice Chancellor,
SNDT Women's University



सं पा द की य

संस्कृताचा दुसरा अंक वाचकांच्या हाती ठेवतांना आम्हाला अत्यानंद होत आहे.

अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरणात संस्कृता या वार्तापत्राची सुरुवात झाली आणि असंख्य उपक्रमांना यात स्थान प्राप्त झाले. भारतातील पहिले महिला विद्यापीठ म्हणून श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विद्यापीठाचा आम्हाला रास्त अभिमान आहे. हे विद्यापीठ अनेक अर्थाने आपले वेगळेपण अबाधित ठेवून आहे. स्त्री शिक्षणाचे उदात्त कार्य आज जागतिक अर्जेड्यावर आहे आणि हे कार्य आपण तर शंभर वर्षांपासून अव्याहतपणे करीत आहोत. आज या विद्यापीठाचा मोठा विस्तार बघायला मिळतो.

विद्यापीठात अनेक विभाग, अनेक शाखा आहेत. त्यांचे अनेकविध उपक्रम आहेत. सर्व ज्ञानशाखांमधून मौलिक ज्ञानसत्रे, चर्चासत्रे, संशोधन आणि सांस्कृतिक स्वरूपाचे उपक्रम राबविले जातात. त्यातील मौलिकता अनेकांना प्रेरक असते. पण ती माहिती मर्यादित वा बंदिस्त वर्तुळात पोहोचत असेल तर त्याचा उपयोग इतरांना होत नाही. तसेही ज्ञान सार्वत्रिक होण्याचा हा काळ आहे. आपल्या बुद्धिचातुर्याने स्वतःला काळावर अंकित करता येते. नव्या कल्पनेने आणि नव्या चेतनेने या नवतेशी जुळवून घेता आले पाहिजे.

ज्ञानग्रहणातून आपल्या प्रतिभेला नवी झळाळी प्राप्त करून देणे आणि त्या माध्यमाने आपल्या कर्तृत्वाचा ठसा काळावर उमटवणे, हे प्रत्येकाला करता येऊ शकते. ज्ञानाच्या कक्षा आज वेगाने विस्तारत आहेत. त्यासाठी सजग राहून मिळालेल्या संधीचे सोने करता आले पाहिजे. संधी प्राप्त करून देण्याची जबाबदारी विद्यापीठ पार पाडत आहे. असंख्य मुलींच्या पंखांना त्यांच्या आवडीच्या क्षेत्रात भरारी घेण्याचे बळ विद्यापीठाने दिले आहे. ज्ञानाचे क्षेत्र असीम आहे. त्या आकाशात किती उंच भरारी घ्यायची हे ज्याचे त्याने आपल्या क्षमतेने ठरवायचे असते. पण ते

सामर्थ्य निश्चितपणे एसएनडीटी महिला विद्यापीठातून प्राप्त होतेच, याची आम्ही खात्री देतो.

महात्मा फुले आणि सावित्रीबाई फुले यांनी मुलींसाठी पहिल्यांदा शाळा काढली आणि भारतीय स्त्री शिक्षणाची कवाडे उघडली गेली. त्यानंतर 1916 मध्ये महर्षी धोंडो केशव कर्वे यांनी स्त्रियांसाठी वेगळे विद्यापीठ सुरू केले. त्यामुळे स्त्रियांना उच्च शिक्षणाची संधी प्राप्त झाली. भारतीय स्त्रियांच्या दृष्टीने ही फार मोठी सुरुवात होती उच्च शिक्षणामुळे स्त्रियांना घराबाहेरचे जग मोकळेपणाने न्याहाळता येऊ लागले. एक प्रकारचे आत्मभान येऊ लागले. शिक्षणामुळे आत्मविश्वास वाढतो. स्वाभाविकपणे अनुभूतीचे विश्वही विस्तारायला लागते. भारतीय परंपरेत एकीकडे स्त्रीला आपण देवतास्वरूप मानतो. पण एकविसाव्या शतकातही स्त्री हा समाजातील दुर्बल घटक आहे. या घटकाच्या विकासासाठी थोर समाजसुधारकांनी खूप प्रयत्न केले. शिक्षणामुळे आंतरिक बुद्धिमत्तेला अधिक प्रकाशमान करता येते. एसएनडीटी महिला विद्यापीठाचे ब्रीदवाक्य 'संस्कृता स्त्री पराशक्ति' हे आहे. यातच सर्वकाही सामावले आहे.

स्त्रीशिक्षणाचे शिवधनुष्य विद्यापीठातील सर्व शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांनी मनोभावे आपल्या खांद्यावर पेलून धरले आहे. ज्ञान आणि विनम्रता, सचोटी आणि संवेदनशीलता, ध्यास आणि साधना यावर आमची निष्ठा आहे. विद्यापीठाच्या आदरणीय कुलगुरू डॉक्टर उज्ज्वला चक्रदेव यांच्या मार्गदर्शनात विद्यापीठाची ध्येयासक्त वाटचाल सुरू आहे. या वाटचालीकडे आपलेपणाच्या भावनेने सर्वांनी बघावे आणि आमच्या विद्यार्थिनी व शिक्षकांच्या विविध उपक्रमांचे सर्वदूर कौतुक व्हावे हीच संस्कृताच्या माध्यमातून अपेक्षा.

❁ टीम संस्कृता

EDITORIAL BOARD MEMBERS

- Dr. Subhash Chavan
- Dr. Sunita Sakhare
- Dr. Sachin Deore
- Dr. Nilesh Thakare
- Dr. Aruna Dubhashi
- Dr. Rajendra Gurao
- Dr. Darshana Oza

- Dr. Jitendra Tiwari
- Dr. Jaswandi Wamburkar
- Dr. Dhrupadi Chattopadhyay

TECHNICAL ASSISTANT :

- Mr. Balu Rathod
- Mr. Mehul Khale

देश का विकास भारतीय भाषाओं के विकास से ही संभव- राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी

राष्ट्र निर्माण में भारतीय भाषाओं की भूमिका त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्कृत विभाग, श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई एवं केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा 22 मार्च से 24 मार्च 2022 तक त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मुंबई में किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय था- “राष्ट्र निर्माण में भारतीय भाषाओं की भूमिका”।

संगोष्ठी का उद्घाटन महाराष्ट्र राज्य के राज्यपाल एवं एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री भगत सिंह कोश्यारी ने किया। एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर उज्ज्वला चक्रदेव ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के अध्यक्ष प्रो. भूषण पटवर्धन, सम्मानित अतिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में राष्ट्रधर्म पत्रिका के प्रधान संपादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर ओमप्रकाश पांडेय और केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश बिडालिया उपस्थित थे।

उद्घाटन सत्र का प्रारंभ राष्ट्रगीत एवं विद्यापीठ गान तथा वेदमंत्रों से हुआ। तत्पश्चात सम्मानित अतिथियों ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ किया। एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति तथा प्र-कुलपति एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार तिवारी ने अतिथियों का सम्मान शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर किया। इस अवसर पर कुलाधिपति ने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की मासिक पत्रिका संस्कृता, आत्मबोध एवं विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन भी किया।

अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति



डॉक्टर चक्रदेव ने कहा- इस अभूतपूर्व अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों का मैं हृदय से स्वागत करती हूँ और इस सुंदर परिसंवाद के लिए संस्कृत विभाग और केंद्रीय हिन्दी निदेशालय को धन्यवाद भी देती हूँ। इसके पश्चात प्रोफेसर ओमप्रकाश पांडेय ने कहा कि मनुष्य के जीवन में भाषा और साहित्य का स्थान अप्रतिम है। विविध भारतीय भाषाओं की भूमिका आज से कई हजार वर्ष पहले ही शुरू हुई थी, और सभी भारतीय भाषाओं का मूल आधार संस्कृत है, जिसे देववाणी भी कहा जाता है।

प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं भाषाएं विश्व में अत्यंत प्राचीन हैं। इसके लिए कहा गया है- “सा प्रथमा संस्कृति विश्ववारा”। विश्व में प्रथम संस्कृति भारतीय संस्कृति ही है और भारत को विश्व गुरु बनाने में भारतीय भाषाओं का अप्रतिम योगदान है। नैक के अध्यक्ष प्रो. भूषण पटवर्धन ने कुलपति को धन्यवाद दिया कि उन्होंने इस विषय पर ऐसे उत्तम कार्यक्रम का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षण का महत्व अभूतपूर्व है। मातृभाषा में विचार करने से ही नवीन संकल्पनाएं, नवीन विचार पल्लवित होते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय भाषाओं पर अपार बल दिया गया है।

अंत में श्री भगत सिंह कोश्यारी ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा, माता और छात्रा इन तीनों शब्दों का उच्चारण एक ही भाव से होता है। इनमें एक साधर्म्य लगता है। भारतीय एकता का दर्शन भाषाओं के द्वारा ही प्रकट होता है और भारत की सभी भाषाओं का संवर्धन अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। हमें यदि देश का विकास करना है तो भारतीय भाषाओं का विकास करना परम

आवश्यक है। अंत में केंद्रीय हिन्दी निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश बिडालिया ने सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया तथा केंद्रीय हिन्दी निदेशालय की भाषा संवर्धन संबंधी योजनाओं के विषय में भी सब को अवगत कराया। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. वंदना शर्मा ने किया।

यह त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 11 सत्रों में विभाजित थी, जिसमें 100 से अधिक विद्वानों, शोधार्थियों तथा छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। संगोष्ठी में विभिन्न सत्रों में राष्ट्र निर्माण में भारतीय भाषाओं तथा भारतीय संस्कृति की भूमिका पर गहन विचार विमर्श हुआ। तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में अध्ययन-अध्यापन की ज्ञान गंगा बहती रही।

संगोष्ठी में देश के अनेक विद्वान उपस्थित थे, जिनमें सुप्रसिद्ध कवि, कथाकार एवं शिक्षाविद डॉ. भारतेन्दु मिश्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय के प्रो. अरुण होता, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भाषा विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर रामबक्ष जाट, भारतीय विद्या भवन मुंबई के निदेशक प्रोफेसर गिरीश जानी, वेदशाला मुंबई के निदेशक डॉ. अर्जुन व्यास, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री त्रिवेदी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के प्रो. प्रकाशचंद्र, प्रो. कमल अभ्यंकर, मुंबई विश्वविद्यालय की प्रो. उर्वशी पंड्या, एसएनडीटी महिला महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. वंदना शर्मा, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र कात्यायन तथा गुजराती विभाग के अध्यापक एवं रंगकर्मी डॉ. कवित पंड्या, श्री एमडी शाह महिला महाविद्यालय की डॉ. मेरुप्रभा तथा डॉ. अमृता एवं मुंबई के अनेक महाविद्यालयों के अध्यापक, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका का निर्वाह किया।

समापन सत्र एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की प्र-कुलपति प्रो. रूबी ओझा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सत्र की मुख्य अतिथि श्री एमडी शाह महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दीपा शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए इस तरह की संगोष्ठी के आयोजन की महती आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. रूबी ओझा ने कहा कि- नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन की दिशा में आज नए तरीके से विचार करने का समय आ गया है। अब भारतीय भाषाओं को रोजगार के साथ जोड़कर देखना आवश्यक हो गया है। संगोष्ठी के आयोजक एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार तिवारी ने सभी अतिथियों को हृदय से धन्यवाद दिया। केंद्रीय हिन्दी निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश बिडालिया ने एक सफल संगोष्ठी के आयोजन हेतु एसएनडीटी विश्वविद्यालय का आभार प्रदर्शित किया।



50 Glorious years of English Studies at SNDT

As the first Women's University in South-Asia born out of the robust social reform movement (established 1916), SNDT Women's University has been central to the imagination of Women's education in India. The English Department was one of the first university departments that was established in 1972.

Since, the University Department of English has been committed to the cause of women's education in the human sciences and literary studies through relevant courses and pertinent critical tools. Further it is dedicated to provide a wide range of discipline-oriented courses to meet the changing socio-economic needs with humanistic values and purposeful social responsibility; to enable students to critically evaluate not just the texts they study but also the world they live in. The department is well known for its updated and research-oriented syllabus as for its rigorous academic programmes. The contemporized interdisciplinary syllabus is comparative and culture studies based which duly is complemented by gender sensitive teaching and learning methods and a mentoring approach. The internship and guided research components of the programme ensures that employability remains one of our thrust areas. Contexts of literary studies have seen paradigm shifts in the recent past and comparative methods have become ever more relevant as we push and rethink ways of doing literary studies in India. As the concerns around gender and related marginalities came to occupy centerstage in literary studies in India, the English Department responded by pioneering courses that moved away from a resolutely Anglo-American framework to a location and context

sensitive one. In particular, in the 1980s and the 1990s pioneering courses in gender studies, literary studies from the Global South – including Africa, Canadian Studies, African-American Studies, Latin American studies, Postcolonial Studies were started at the behest of the Dr. Shirin Kudchedkar. Seminar oriented teaching coupled with these innovative courses directly participated in making a seminal contributions towards changing the literary landscape in India. Dr. Ayesha Banatwala worked towards bringing momentous change in terms of subverting hegemonic approaches of course design, teaching and evaluation as she introduced gender as a major component of engagement. As literary studies in India opened to literary frameworks that read and debated gendered subjectivities, academic and discursive practices also began to be re-evaluated. This was reflected in the diversity of frameworks of literary practice that this department has engendered. There is no shortage of literary tools when it comes to reading gendered literary subjects. However, more often than not in the gender regimes these literary frames lead to a hegemonic inevitability of reading through certain west-led frameworks. The Katha translation centre at the department in the early 2000s contributed significantly in employing Translation to dismantle rigid monolithic notions of literary practice. With our students placed across the globe who carry the spirit of the department of questioning stable categories we can safely say that the department continues to carry its legacy of pushing boundaries of literary practice and pioneering novel pedagogies of

Dr. Dhrupadi Chattopadhyay

HOD - English

8th International Congress of Stress, Performance & Wellness (ICSPW 2021)

Organized by ISMA India & The overall theme of the ICSPW 2021 was "Assessments, Interventions & Technologies" covering 10 main themes, addressed in 11 Keynote Address and 6 subject matter expert Panel Discussions. A total of 200+ delegates & 35 resource persons from across the world along with 20 foreign guests & the ISMA team of various country chapters have participated virtually from various educational institutions/ universities, private and public sector industries. In all total thirty, quality research papers were presented during the concurrent paper presentation sessions.

ISMA Federation International Awards of 2021 were presented to recipients who immensely contributed to the evidence-based insights & interventions in the field of Stress, Performance and Wellness. The award recipients are Prof. Sir Cary Cooper (Commander of the Order of the British Empire), 50th Anniversary Professor of Organizational Psychology and Health at the Manchester Business School, United Kingdom; Dr. Jan von Dikhoorn, Board of Directors of ISMA and Dutch ISMA Past president from the Netherlands; Prof. Nathan A Bowling, Professor I/O Psychology at Wright State University, USA; Prof. Sharon Glazer Chair of the Division of Applied Behavioral Sciences at The University of Baltimore, USA, and Founding Chair of the Alliance for Organizational Psychology Global Network & Ms. Jessica Symrl, Director of YSM Solutions, Glasgow, United Kingdom.

Vote of Thanks by Dr. Nilesh Thakre, Head, University Dept. of Psychology, SNDT Women's University, Mumbai.

A National level Student Research Convention: Anveshan 2021-22 was organised by the Association of Indian Universities (AIU) and Academy of Maritime Education and Training (AMET)

A National level Student Research Convention: Anveshan 2021-22 was organised by the Association of Indian Universities (AIU) and Academy of Maritime Education and Training (AMET) on 27th and 28th March, 2022 at Chennai. The Two Teams with three students in each team, belonging from Usha Mittal Institute of Technology (UMIT). They were selected from State Level Research Convention Avishkar 2021-22. These teams were led by the Chairperson of Avishkar Principal Dr. Rajendra Gurao, Team Manager Dr. Sonakshi Vichare from SNDT College of Arts & SCB College of Commerce & Science for Women, Churchgate. The first round of the competition was 'Poster Presentation', whereas the second round was of 'PPT Presentation and finally the Question & Answer round was conducted. On the second day of the competition the results were declared and valedictory was conducted. This experience and Exposure of Anveshan was very beneficial for the students.



Achievements

• Prof Dr Mala Pandurang (Principal, Dr BMN College of Home Science) has been awarded the sixth Dr. Aroon Tikekar Research Fellowship (2022) by the Asiatic Society of Mumbai, for her research project on 'An exploration of literary representations of the Mumbai local suburban train commute as a metonymic of life in the city'



Ms. Swati Nayak received fellowship of 11,31,000 Indian Rs for research under the area of finance at Rady School of Management, University of California, San Diego.



Ms. Rohini Chawadi has qualified successfully under SET Examination in Business Law.



One of our current M.A. Student Ms. Akansha Bhoir was felicitated with Raigad Bhushan Puraskar.



एस. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठ पुणे अर्थशास्त्र विभागातील विद्यार्थ्यांची कामगिरी

दिनांक २८ जानेवारी २०२२ रोजी घोषित झालेल्या महाराष्ट्र राज्य SET परीक्षेत पदव्युत्तर अर्थशास्त्र विभाग पुणे येथील डॉ. तृप्ती कवळे (पीएच.डी. विद्यार्थिनी) उत्तीर्ण झाल्याबद्दल अर्थशास्त्र विभाग आणि विद्यापीठातर्फे त्यांचे मनःपूर्वक अभिनंदन आणि भावी वाटचालीसाठी शुभेच्छा !!



श्रीमती मणिबेन एम.पी. शाह विमेंस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, माडुंगा

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी में २६ मार्च, २०२२ को एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की छात्रा उमा चौहान ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उसका विषय था - हिंदी उपन्यास : संवेदना और शिल्प के विविध आयाम।



दिनांक २८ जानेवारी २०२२ रोजी घोषित झालेल्या महाराष्ट्र राज्य SET परीक्षेत पदव्युत्तर अर्थशास्त्र विभाग पुणे येथील श्रीमती रसिका सकपाळ (एम.ए. विद्यार्थिनी २०१३-१४) उत्तीर्ण झाल्याबद्दल अर्थशास्त्र विभाग आणि विद्यापीठातर्फे त्यांचे मनःपूर्वक अभिनंदन आणि भावी वाटचालीसाठी शुभेच्छा !!



दिनांक २८ जानेवारी २०२२ रोजी घोषित झालेल्या महाराष्ट्र राज्य SET परीक्षेत पदव्युत्तर अर्थशास्त्र विभाग पुणे येथील श्रीमती प्रितीया खिंडीवाले (एम.ए. विद्यार्थिनी २०२०-२१) उत्तीर्ण झाल्याबद्दल अर्थशास्त्र विभाग आणि विद्यापीठातर्फे त्यांचे मनःपूर्वक अभिनंदन आणि भावी वाटचालीसाठी शुभेच्छा !!

S.N.D.T Women's University Won Prize in Taekando 2022

All India Inter University Taekando Women's Championship 2022 held at Kurushetra University, Kurushetra Haryana state from March 28-31, 2022. S.N.D.T Women's University, Department of Physical Education & Sports Student Players participated in different 8 weight categories. Ms. Sakshi R. Jadhav, student of S.N.D.T Arts & Commerce College, Pune Campus participated in 57kg weight category and won Bronze Medal in Tournament. 120 Universities from all over India participated in the Tournament. It is proud moment for S.N.D.T Women's University. Hon'ble Vice Chancellor Madam Congratulated to the team.

Azadi Ka Amrit Mahotsav

जश-ए-आज़ादी: अमृत महोत्सव' राष्ट्रीय व्याख्यानमाला

आज़ादी के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में बी.एम.रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 'जश-ए-आज़ादी:

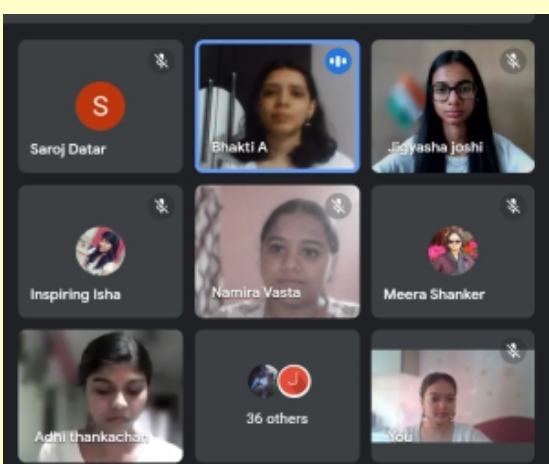
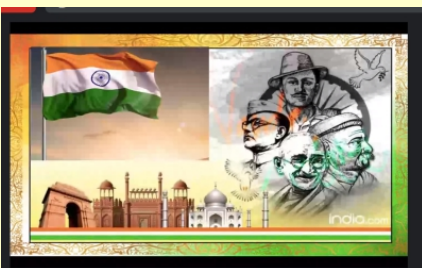
अमृत महोत्सव' राष्ट्रीय व्याख्यानमाला का आरंभ तुलसी जयंती से किया गया। पहले पुष्प के रूप में 14 अगस्त 2021 को 'तुलसी के हिय हैरि' विषय पर डॉ.सत्यदेव त्रिपाठी (एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग) का व्याख्यान, दूसरे पुष्प के रूप में 17 सितंबर, 2021 को 'हिंदी का भविष्य और भविष्य की हिंदी' विषय पर प्रो.जितेंद्र श्रीवास्तव (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) का व्याख्यान, तीसरे पुष्प के रूप में 07 अक्टूबर, 2021 को 'हिंदी में तकनीकी क्रांति' विषय पर डॉ. विजय मल्होत्रा (पूर्व निदेशक, राजभाषा रेल मंत्रालय, भारत सरकार) का व्याख्यान, चौथे पुष्प के रूप में 24 नवंबर, 2021 को 'हिंदी ग़ज़ल की सामर्थ्य' विषय पर

डॉ.वशिष्ठ अनुप (काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी) का व्याख्यान, पांचवें पुष्प के रूप में 29 दिसंबर, 2021 को 'सनातन का अमृत और नवाचार' विषय पर डॉ. उमाशंकर उपाध्याय (स्कूल आफ लैंग्वेज, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा) का व्याख्यान, छठवें पुष्प के रूप में 27 जनवरी, 2022 को 'हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना का विकास' विषय पर डॉ. विजय बहादुर सिंह (प्रबुद्ध आलोचक एवं संपादक, भोपाल) का व्याख्यान, सातवें पुष्प के रूप में 28 फरवरी, 2022 को 'मिथक और हिंदी साहित्य' विषय पर डॉ. सुधाकर मिश्र (प्रबुद्ध कवि एवं आलोचक, मुंबई) का व्याख्यान, आठवें पुष्प के रूप में 22 मार्च, 2022 को 'महिला कथा लेखन के विविध सोपान' विषय पर प्रख्यात कथाकार सुर्यबाला (मुंबई) का व्याख्यान हुआ। इस व्याख्यानमाला से राष्ट्रीय स्तर पर प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी एवं साहित्य के सुधी पाठक सहभागी एवं लाभान्वीत हुए।



Online event by JBIMS to celebrate the spirit of our constitution on 73rd Republic Day

On the glorious occasion of 73rd Republic Day, the Students, Staff and Director of Jankidevi Bajaj Institute of Management Studies appraisingly conducted an online event to celebrate the spirit of our constitution. The Students Council in association with the faculty coordinator, Dr. Saroj Datar conceptualized the event. The highlight of this Program was a brilliant presentation on unsung heroes of India made by Ms. Adithya Thakachan. This was followed by a cultural programme that included poetry recitation, singing accompanied by guitar and Rangoli making. The programme was successfully staged with the efforts of the students council, the faculty co-ordinator and the Director in-charge, Prof. Meera Shankar.



Inauguration



Prof. Ujjwala Chakradeo
Vice Chancellor,
SNDD Women's University



Mr. Francis Paradis
Director & Consul,
Québec Govt. Office in Mumbai

Panel Discussion



Sarvadaman Singh, O.A.M
Professor Emeritus,
University of Queensland



Sandeep Shastri
Vice Chancellor,
Jagaran Lakecity University



David Schultz
Professor,
University of Hamline



Jean-Philippe Dequen
Head of India desk, Québec's Ministry of
International Relations & La Francophonie



Chair: Archana Singh
Hon. Consul of India
Brisbane

Celebrating Independence: 'Perspectives from Near and Far' Under 'Azadi ka Amrit Mahotsav' SNDD Women's University in collaboration with Quebec Government Office in Mumbai and other partnering institutions organised a year-long series of Webinar, Round Tables, symposiums and concerts to celebrate 75 years of India's independence entitled 'Celebrating Independence : Perspectives from Near and Far' under 'Azadi ka Amrit Mahotsav' the national celebration of the Indian independence. The online series of programme is held on the second Saturday of every month with participants from both India and Quebec. The series is being coordinated by a University Committee and spearheaded by the Department of Political Science. The events in the series was inaugurated on August 21, 2021 by the then Vice Chancellor Prof. Suhas Pednekar and Ms. Apoorva Srivastava, Consul General of India in Toronto along with Mr. Francis Paradis, Consul and Director, Quebec Government Office in Mumbai. Prize winners of a poster competition were also announced.

UDAAN 2022



Premila Vithaldas Polytechnic and Centre for Vocational and Technical Education, SNDDTWU celebrated its Annual cultural event UDAAN 2022 with the theme "Aazadi ka Amrit Mahotsav" on the 24th of March 2022. On this special day Ms. Shubhada Varadkar, Exponent of Odissi Dance was invited as the Chief guest. The event was presided by Hon. Prof. Ujjwala Chakradeo, Hon. Vice Chancellor SNDD Women's University. The Pro. Vice Chancellor Dr. Ruby Ojha and Principal in charge Ms. Kavita Shiktode were also present for the event. The dignitaries were invited to distribute prizes among our academic merit holders, student council, cultural and sports winners. Around 350 students participated in various events of fine arts, performing arts and literary events.

GLIMPSES OF CONDUCTED COLLEGE

S.N.D.T. College of Arts and S.C.B. College of Commerce and Science for Women Democracy fortnight 2022 organised by Department of Political science

Mr. Jagdish More (Assistant Commissioner, State Election Commission Of Maharashtra) and Mr. Nilesh Madane (Director V S Page parliamentary training institute) addressed students and highlighted the need of vigilant voter in democracy on 9 February 2022. They also explained the engagement of legislative bodies with voters through commonwealth parliamentary training and V S Page parliamentary training Institute initiatives.



हस्तशिल्प कार्यालय

दि. ९ आणि १० मार्च रोजी एस. एन. डी. टी. महाविद्यालयात बी. व्हि. ए. चित्रकला विभागात विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय पश्चिम क्षेत्र मुंबई यांच्या सहयोगाने प्रथम व द्वितीय वर्ष तसेच कनिष्ठ महाविद्यालयीन विद्यार्थिनी साठी हस्तकला कार्यशाळेचे आयोजन गिरगाव येथील कन्याशाळेत करण्यात आले आहे. कार्यशाळेचे उद्घाटन हस्तकला विभागाचे सीनियर असिस्टंट डायरेक्टर श्री राजेंद्र सिंग आणि एस. एन. डी. टी. महाविद्यालय, चर्चगेट चे प्राचार्य डॉ. राजेंद्रजी गुरव यांच्या हस्ते करण्यात आले. दिनांक ९ रोजी मुलींना कुंभार कला म्हणजेच पोटरी मेकिंग तसेच दोराच्या सहाय्याने दागिने बनविण्याची कला शिकता येणार आहे.. तसेच दिनांक १० रोजी ब्लॉक प्रिंटिंग आणि वारली कलेची ओळख होणार आहे ज्यासाठी श्रीमती विमल सावर्डेकर आणि श्री संदीप भोईर यांचे मार्गदर्शन मिळणार आहे. या कार्यशाळेबरोबरच हस्तकला विभागातर्फे हस्तकलाकारांसाठी केंद्र सरकार तर्फे उपलब्ध विविध संधी, सुविधा आणि प्रकल्प यांची ओळख मुलींना होणार आहे.



MVA Department of Drawing & Painting

Art Exhibition "Cultural Dialogue" under "Ek Bharat Shreshtha Bharat" Cultural Exchange Programme

A collaborative programme between the SNDTWU and Shri Rama Devi Women's University, Odisha was organized in the presence of Hon. Vice Chancellor Dr Ujwala Chakradeo (ChiefGuest) and Dr Rajendra Gurao, Principal, SNDT Arts College, Churchgate and Dr Rohini Sudhakar I/C Department of Lifelong Learning and Extension. Students exhibited their painting and art work and shared their vision of art with the guests and visitors. 35 students were online and 75 students were present on campus

3 Days State Level Workshop

Extensive Study in Drawing Referring to Bague Plates (Department of Drawing and Painting)
From 2-4 March 2022, a workshop to educate Bachelor students about the very famous Drawing course which was an integral part of the curriculum in the 19th century of European Academic education. The course consists of referring to a book called Bague drawing course published by Goupil & Cie based on exquisite drawing studies made by Charles Bague (French painter, draughtsman, and Lithographer) and his teacher Jean-Léon Gérôme. The technique used by Bague was one of the easiest yet sophisticated enough to match the higher academic standards of realism. It created a new benchmark after the earlier used Bernard Roamin drawing course. Guest artist Parth Thakkar conducted the workshop.

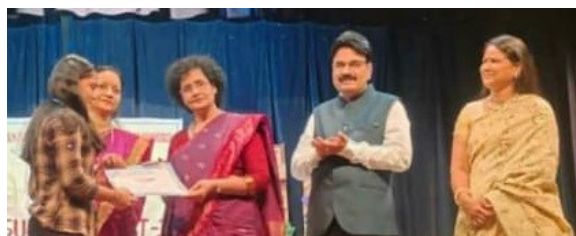


Orientation program for Blood Donation Camp: Ghe Bharari Raktdanasathi

For the blood donation camp on 8th March 2022 at Churchgate Railway Station and SNDT Women's University as celebration of International Women's Day, an Orientation program was conducted by NSS Cell of SNDT Women's University, SNDT College of Arts & SCB College of Commerce & Science for Women, PVD College of Education for Women and L.T. College of Nursing, in collaboration with KEM & Jaslok Hospital Blood Bank and Rotary Club, Varali, Mumbai on 5th March 2022. A total of 103 NSS Volunteers and 7 NSS Program Officers attended this program. Mr. Anil Gare, Ex PRO, NAIR Blood Bank shared his experience as a coordinator for Blood Donation Camps and encouraged students to analyze the opportunity of individual development through this activity. Dr. Rajendra Gurao Sir, Principal, SNDT College of Arts appreciated students for being present with full of enthusiasm.

Certificate Course in German Language

Department of English has successfully launched an online Certificate Course in German Language (two credits) on 17th August 2021 with an enrollment of 33 students on MS Teams platform. The training part of the course was offered by ITESKUL-Pune's Premier Foreign Language Training Institute as per MoU. The course that covered substantial part of A1 level of German language witnessed 100% result in the examination that was held after closure of the course.



Surabhi Fest and Annual Function

The college annual function held on 4 April 2022, marked the culmination of the Surbhi fest was conducted between 31st March and 1st April 2022. Students participate in various events like, on the spot rangoli, painting, mehendi, mobile photography, debate, quiz, traditional Arts, Light Music, Poster Making, Cartooning etc. The fest was inaugurated at the hands of Dr.Santosh Kaul Kak (Principal, B.M Ruia Girl's College, Gamdevi). Professor Dr.Ruby Ojha (Hon'ble Pro-Vice Chancellor, SNDT Women's University) and Dr.Smriti Bhosale (Director of Distance Education) graced the annual day as the Chief Guest and Guest of Honour of the function.



A workshop on a menstrual hygiene awareness program and installation of sanitary pads vending machine for students



A workshop on a menstrual hygiene awareness program and installation of sanitary pads vending machine for students was organized by dept. of Family resource management, Teacher Coordinator: Dr. Manjit

Kaur Chauhan, Associate Professor

Details of the sponsors/ collaborators if any: In collaboration with UNICHARM Pvt. Ltd. Resource Person/s: Ms. Manali Shinde and Mr. Ganesh Parbhane, Sales Officer Participants: PG H.Sc Students, Teaching and Non-Teaching Staff. Number of Participants attending the program: 30. Date and Venue: 9 March 2022, PG Department of Family Resource Management, SNDTWU. Objective: Dispersion of information on menstrual hygiene among the students.

Workshop Insights: The workshop gave many insights into the Menstrual period, the History of sanitary pads, the Manufacturing of sanitary pads during previous years and at present, the Latest Improvisation in the product for comfort and hygiene, Facts about the application of different types of sanitary pads for specific days and The possibility of fungal infections and other intimate skin-related problems due to white discharge and menstrual blood.

Finally, a quiz was conducted to know the learning outcome from the workshop, and the student with the most correct answers was awarded as "MISS SOFY QWEEN" since the event was sponsored by Sofy Sanitary Pads. Ms. Nida Khan was awarded MISS SOFY QWEEN.

The program concluded by distributing Sofy Sanitary pads to the participants and refreshments. In continuation to the workshop on Awareness on Menstrual Hygiene program, under the students' welfare program the Sofy Sanitary Vending Machine was installed in Ground Floor Students Washroom on March 10, 2022. The students and staff of PG Home Science were present for the inaugural function. The training on how to use was given to teaching staff, Non-Teaching Staff, and Students.

Career opportunities through Arts and Humanities in Competitive examinations

Competitive examination information center, S.N.D.T Women's University organized a Guest lecture program on 22nd March 2022 at 5 pm. The title for the program was Career opportunities through Arts and Humanities in Competition examinations. The program began with the introduction and welcoming speech given by Diksha Kamble, intern of CEC. The Resource person Dr. Sushant Mahajan shared his insights on career opportunities in various fields of Arts. He also showed us the career opportunities in various fields/ subjects like Geography, Sociology and social work, anthropology, English, Hindi, Marathi, History, Home science, and psychology. More knowledge of Direct recruitment in teaching was given by the resource person followed by an interactive session of question and answer. In the end, the program ended with a vote of thanks given by Pratibha Fernandez, one of its interns of CEC.

S.N.D.T. WOMEN'S UNIVERSITY
COMPETITIVE EXAMINATION
INFORMATION CENTER
is organising
**CAREER OPPORTUNITIES IN ARTS &
HUMANITIES THROUGH COMPETITIVE
EXAMINATIONS.**
Resource Person:
DR. SUSHANT MAHAJAN
RajaRam College, Kolhapur.
Date: 22nd March 2022 Time: 5:00pm
Google Meet Link:
<https://meet.google.com/dhm-zehz-chu>

Department of Lifelong Learning and Extension and Department of Social Work organized a: Fieldwork Seminars after COVID-19



Department of Lifelong Learning and Extension and Department of Social Work collaboratively organized a Field Work Presentation Seminar on 9th February 2022 at 11: 00 am in SNDT Women's University in a blended model.

9 students gave their presentations one after the other. Each was allotted 10 minutes to present, followed by a discussion.

Some notable presentations were from students working with NGOs like *Prerana*, which works with sex workers, and children of sex workers. Discussion around empowering women economically and emotionally followed this presentation. Students also presented their work from NGOs like Bal Asha Trust and Janani Asha Charitable Trust, where they worked around issues about abandonment, surrender, and adoption issues. Other presentations were centered around students who worked on public health issues like Tuberculosis. This is the first of a series of presentations that students make with the learnings from their field agency. It is especially meaningful, as a large number of students now attend classes offline, and the culture of teaching, learning, communication, and conversation in SNDT Women's University is coming alive after the Pandemic. Head of Department, Dr. Rohini Sudhakar and Faculty members Dr. Prabhakar Chavan, Dr. Arpana Ingle, Ms. Smriti Parhi, Mr. Sunil Shirishkar, and Ms. Dipti Kadam attended the presentations. There were about 25 students physically present and 30 students online attending the seminar.

आंतरराष्ट्रीय ऑनलाईन परिषद - कंपॅरेटिव्ह लिटरेचर : फ्रेम्स, मेथड्स अँड प्रॅक्टिसेस



एस. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठाचा मराठी विभाग, इंग्रजी विभाग आणि कोलकाता कंपॅरेटिव्ह लिटरेचर १९१९ यांच्या संयुक्त विद्यमाने दिनांक ४ ते ६ मार्च २०२२ रोजी कंपॅरेटिव्ह लिटरेचर : फ्रेम्स, मेथड्स अँड प्रॅक्टिसेस या विषयावर आंतरराष्ट्रीय ऑनलाईन परिषद आयोजित केली होती. ४ मार्च रोजी सकाळी १० वाजता एस. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठाच्या सन्माननीय कुलगुरू प्रा. उज्वला चक्रदेव यांनी या

परिषदेचे उद्घाटन केले. या महत्वाच्या विषयावर परिषद आयोजित केल्याबद्दल त्यांनी आनंद व्यक्त केला. परिषदेला शुभेच्छा देताना या परिषदेमुळे तौलनिक साहित्याभ्यासाला नव्या दिशा मिळू शकतील असा आशावाद त्यांनी व्यक्त केला. श्रेष्ठ साहित्यिक आणि समीक्षक प्रो. भालचंद्र नेमाडे यांनी या परिषदेचे बीजभाषण करून तौलनिक साहित्याभ्यासाचा एक विशाल पट अभ्यासकांसमोर मांडला. त्यांनी या अभ्यासाचे पुरातत्त्वीय, ऐतिहासिक, सामाजिक आणि सांस्कृतिक पैलू स्पष्ट केले. तसेच भारतासारख्या ४००० वर्षांची व्यामिश्र परंपरा असलेल्या बहुवांशिक, बहुभाषिक आणि बहुसांस्कृतिक प्रदेशातील तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या अनेक शक्यता त्यांनी सूचित केल्या. या परिषदेत प्रो. अनुपमा राव, प्रो. हरीश त्रिवेदी, प्रो. माया पंडित यासारख्या आंतरराष्ट्रीय कीर्तीच्या मान्यवर तज्ञांची विशेष व्याख्याने झाली. परिषदेचा समारोप तौलनिक साहित्याभ्यासाचे आंतरराष्ट्रीय कीर्तीचे तज्ञ प्रो. इ. व्ही. रामकृष्णन यांच्या व्याख्याने झाला. या परिषदेत आशयसूत्राच्या अनुषंगाने देशातील व विदेशातील दीडशे अभ्यासकांनी शोधनिबंध सादर केले.

Classical Music Program

Dr. Pournima Dhumale, HoD Music Pune, performed at the Music Conference for celebrations of the Birth Centenary of Pt. Bhimsen Joshi, organized by Calcutta Performing Arts Foundation and The Ministry of Culture, Govt. Of India at Choudhary House, Kolkata on 27th March 2022. She presented Ragas Dhanashri and Khat. The performance was appreciated by scholarly musicians and connoisseurs. The program was streamed on Youtube.

<http://www.youtube.com/watch?v=rWw4nylRoU8>



Conference on "Rethinking Humanities: Harmonizing Humanities and Science"

SNDT College of Home Science, Pune organized a Virtual National Conference on 9th February 2022. The theme of the conference was "Rethinking Humanities: Harmonizing Humanities and Science". Prof. Ujwala Chakradeo, Hon'ble Vice-Chancellor, SNDT Women's University was the Guest of Honour for the conference. The keynote address was delivered by Prof. Ami Upadhyay, Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, Gujarat, Prof. Bhushan Patwardhan (former Vice Chairman UGC, National Research Professor - Ayush Interdisciplinary School of Health Sciences SPPU) was the speaker for the technical session. Dr. Mukta Vikas Mathkari, Principal, SNDT College of Home Science, Pune was the Convener of the Conference.

Dr. Sonali Rode, Joint Director of Higher Education Mumbai Division, Mumbai gave the Valedictory speech. A special issue of the Journal "Research Chronicle" (A Peer-Reviewed, Refereed, and Indexed International Multidisciplinary Research Journal) was released virtually at the hands of Prof. Ujwala Chakradeo, Hon'ble Vice-Chancellor, SNDT Women's University, and Prof. Ami Upadhyay, Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. Babasaheb Ambedkar Open University, Gujarat. The Paper Presentation Session was chaired by Dr. Shivaji Sargar, Professor, Department of English, University of Mumbai, and Dr. Supriya Sahasrabudhe, Retired Reader and Head of English Department, Modern College, Pune. Twenty-four research papers were presented at the conference on a wide range of topics related to the theme of the Conference by participants from different states across India. Dr. Chandrakala Mannuru, Academic Coordinator, and Dr. Preeti Dharmade Coordinator of the conference worked on the organizing committee.

सेवा मंडळ एज्युकेशन सोसायटीत रंगला प्रथम स्वायत्त पदव्युत्तर पदवी दीक्षांत समारंभ



१९५७ साली महाराष्ट्रातील श्रीमती. नाथीबाई दामोदर ठाकरसी विद्यापीठ संलग्न महाराष्ट्रातील पहिले महिला महाविद्यालय म्हणून श्रीमती मणिबेन एम. पी शाह कला आणि वाणिज्य महिला महाविद्यालय केवळ ७ विद्यार्थीनींसह सुरू झाले. श्रीमती मणिबेन एम. पी शाह कला आणि वाणिज्य महिला महाविद्यालय आणि डॉ.बी.एम.एन होम सायन्य ही दोन महाविद्यालये २०१९ रोजी प्रथम स्वायत्त महाविद्यालये म्हणून जाहीर झाली. ह्या दोन्ही महाविद्यालयांचा पहिला दीक्षांत समारंभ १७ मार्च २०२२ रोजी पार पडला.

या दोन स्वायत्त महाविद्यालयातील दीक्षान्त समारंभामध्ये शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१ मध्ये महाविद्यालयाच्या विविध पदव्युत्तर पदवी अभ्याससकर्म यशस्वीरित्या पूर्ण केलेल्या विद्यार्थीनींना पदवी आणि पदविका प्रदान करण्यात आल्या. या समारंभाच्या अध्यक्षस्थानी श्रीमती. नाथीबाई दामोदर ठाकरसी विद्यापीठाच्या मा. कुलगुरू प्रा. उज्वला चक्रदेव, सेवा मंडळ एज्युकेशन सोसायटीचे विश्वस्त मंडळी, श्रीमती मणिबेन एम. पी शाह कला आणि वाणिज्य महिला महाविद्यालयाच्या प्राचार्या डॉ.लीना राजे, डॉ.बी.एम.एन होम सायन्यच्या प्राचार्या डॉ. माला पांडुरंग दोन्ही महाविद्यालयाचे परीक्षा नियंत्रक अधिकारी, उपप्राचार्या तसेच दोन्ही महाविद्यालयाच्या सर्व विभागातील विभाग प्रमुख, पदवीधारक विद्यार्थीनी आणि पालक यांच्या उपस्थितीत हा सोहळा पार पडला.

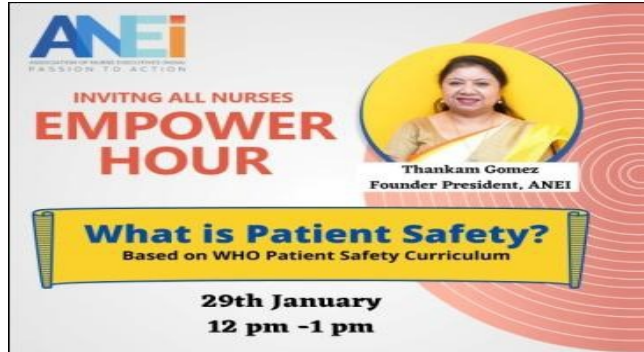
सदर कार्यक्रमाची सुरुवात राष्ट्रीय गीत व विद्यापीठीय कुलगीताने झाली. सेवा मंडळ एज्युकेशन सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. दिलीप त्रिवेदी यांनी मा. कुलगुरूसह उपस्थित सर्वांचे

कार्यक्रमात स्वागत केले. श्रीमती मणिबेन एम. पी शाह कला आणि वाणिज्य महिला स्वायत्त महाविद्यालयाच्या प्राचार्या डॉ. लीना राजे यांनी महाविद्यालयाचा वार्षिक अहवाल सादर केला. त्यानंतर डॉ.बी.एम.एन होम सायन्यच्या प्राचार्या डॉ. माला पांडुरंग यांनी वार्षिक अहवाल सादर केला. प्रथम मानवता विद्याशाखा, वाणिज्य आणि व्यवस्थापन विद्याशाखा आणि विज्ञान आणि तंत्रज्ञान विद्याशाखा ह्या तीनही शाखांच्या प्रतिनिधींनी पदवी घोषणा केल्यानंतर श्रीमती. नाथीबाई दामोदर ठाकरसी विद्यापीठाच्या मा.कुलगुरू प्रा.उज्वला चक्रदेव यांनी पदवी प्रदानतेस जाहीर मान्यता दिली. त्यानंतर डॉ.बी.एम.एन होम सायन्यच्या डॉ.वीणा वर्मा विद्यावाचस्पती पदवी प्राप्त, एम.फिल पदवी प्राप्त श्री. शहाजहान खान आणि श्रीमती. नितू सिंग व श्रीमती मणिबेन एम. पी शाह कला आणि वाणिज्य महिला महाविद्यालयाच्या विद्यावाचस्पती पदवी प्राप्त डॉ.रश्मी शेट्टे-तुपे या सर्वांचा सत्कार करण्यात आला.

त्यानंतर दोन्ही महाविद्यालयातील विद्यापीठीय प्रथम क्रमांक धारक विद्यार्थीनींचा मानचिन्ह आणि पदवी देवून सत्कार करण्यात आला. सदर कार्यक्रमाचे अध्यक्षस्थान भूषविलेल्या मा. कुलगुरू प्रा.उज्वला चक्रदेव यांनी 'सर्व पदवीधारक विद्यार्थीनींना पदवीचे महत्त्व आणि संस्कार ह्यांचा मेळ साधून जागतिक पातळीवर आपले स्वप्न पूर्ण करण्यासंबंधी मार्गदर्शन केले. कोविड काळात शिक्षकांचे कार्य अधोरेखित केले. पदवी शिक्षण फक्त पुस्तकी न ठेवता व्यक्तिमत्त्व विकासाच्या मार्गी लावा आणि महिला सक्षमीकरणाचे कार्य महाविद्यालय घडवित असतेच ते तुम्ही आता जागतिक पातळीवर घडविणे गरजेचे आहे.' सदर कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन डॉ. शुभांगी कुलकर्णी यांनी केले तर आभार प्रदर्शन प्रा. विनया वैशम्पायन यांनी केले.

सदर कार्यक्रम यशस्वी होण्यासाठी दोन्ही महाविद्यालयाच्या प्राचार्या डॉ. लीना राजे व डॉ. माला पांडुरंग, तसेच वेगवेगळ्या विभागातील मा. प्राध्यापक, शिक्षकेतर कर्मचारी आणि विद्यार्थीनी यांनी अथक प्रयत्न केले.

ANEI, Guwahati conducted webinar on "What is Patient Safety? (based on WHO Patient Safety Curriculum)". All nursing students were invited to attend the webinar. Webinar gave a brief idea about the safety of the patients.



Fire department training was held in North Guwahati Campus. The program was informative and it provided a forum to help identify needs for implementation of firefighting equipments at the time of crises.



डॉ. सुभाष चव्हाण यांची इंडियन लायब्ररी असोसिएशन च्या कौन्सिल मेम्बर पदी बहुमताने निवड

डॉ. सुभाष चव्हाण यांची भारतातील सर्वात मोठ्या आणि प्रतिष्ठित अशा ग्रंथालय व माहितीशास्त्र मधील राष्ट्रीय पातळीवर काम करण्याच्या इंडियन लायब्ररी असोसिएशन च्या कौन्सिल मेम्बर पदी बहुमताने निवड झाली. यामध्ये भारतभरातून ग्रंथालय आणि माहितीशास्त्र मधील प्राध्यापकांनी, संशोधकांनी त्यांना भरघोस मत दिले.

भारतीय ग्रंथालय संघ आई एल ए (Indian Library Association : ILA) ची स्थापना १२ सप्टेंबर १९३३ मध्ये अखिल भारतीय पुस्तकालय संमेलन मध्ये एशियाटिक सोसायटी कलकत्ता येथे सुरू झाली. डॉ. रंगनाथन ही या असोसिएशनचे १९४४ स १९५३ पर्यंत अध्यक्ष होते.

डॉ. सुभाष चव्हाण यांनी डॉ. मोहन खेरडे यांच्या नेतृत्वाखाली ही निवडणूक लढवली होती. इतिहासात प्रथमच महाराष्ट्राला या संघटनेचे अध्यक्ष पद भूषविता येणार आहे. या विजयाबाबत डॉ. चव्हाण आणि डॉ. खेरडे यांचे सर्व स्तरातून अभिनंदन करण्यात येत आहे.



Minority Rights Day Celebrated at Matoshri Mahila Mahavidyalay, Jalna

24th Feb'2022, Jalna. Minority Rights Day was Celebrated by Matoshri Mahila Mahavidyalay, Jalna on 18th Dec '2021.

Both the students and teachers actively Participated in the program conducted for the occasion. Due to the effect of the On - Going COVID19 Pandemic, the program was conducted in the college Premises with limited staff and students following all the regulations of the said Pandemic.

The Students were taught the importance of minority Rights and how that can be beneficial for 'minority' section citizens of India. While talking about Minority Rights Day, Incharge Principal, K.D Mulay told students how the Constitution of India has taken Care of each and every Section of various communities of the country so as to prevail equality among all citizens of India.



Commerce Week on the theme "National Education Policy 2020"

Faculty of Commerce of the college organised a National Webinar and "Virtual Commerce Week 2021-22" organised during 29th November to 04th December on the theme "National Education Policy 2020" under the banner of Commerce and Economics Association, a co-curricular forum functioning under Faculty of Commerce and Management. The one day national level webinar organised on 29 November 2021 received the participation of 444 members. Hon. Sir Dr.M.S.Gosavi, Secretary and Director General of Gokhale Education Society, Nasik presided over the inaugural session. Dr. Mrs. Deepthi Deshpande, Principal of the college and and Director, HR, of Gokhale Education Society worked as the Webinar Director. Mr.Sachin Usha Vilas Joshi, Founder Director, Espalier School, Nashik, Dr.Mahesh Auti, Vice-Principal, Shri. Bhausaheb Vartak Arts, Commerce and Science College, Mumbai, Dr.Sandhya Khedekar, Principal, Gokhale Education Society's College of Education, Sangamner, Dr.Kavita Kholgade, Director, Dept. of Physical Education, SMRK BK AK Mahila Mahavidyalaya, Nasik were the resource persons for the Commerce Week.

Ten Days Research Methodology Course for M.Phil./ Ph.D./ PDF Scholars in Social Sciences Through Online Mode

Ten Days Research Methodology Course for M.Phil./ Ph.D./ PDF Scholars in Social Sciences was organized by the Department of Geography, S. N. D. T. Women's University, Pune campus, in collaboration with Indian Council of Social Science Research during Monday, 7th March 2022 to 17th March 2022.

The main purpose of this course was to develop the research attitude and to understand the recent trends of research in social sciences. Main focus was given on the methodological skill, practices and research theories, its application open source softwares and data analysis through which the researcher could be easily develop their analytical research skill and understand the current issues and problems, its solution through their research.

Out of these 97, total 30 participants were selected as per ICSSR Guidelines for this course in which participants from out of states, within states and from local areas were each 10, consisted of 9 males and 21 females. The target group was Ph.D./PDF scholars from different branches of Social Sciences like English Literature, History, Geography, Economics, Politics, Education, Commerce and Management etc and participants were from different universities like Vidyasagar University, West Bengal; Indian Institute of Teacher Education, Gandhinagar Gujarat; University of Mizoram, University of Jammu, University of Mumbai, Dr. B. A. Marathwada University, P. A. H. Solapur University, Solapur, Savitribai Phule Pune University, Pune, and SNDD Women's University.

Appointment of Registrar (Addl.Charge)

Dr. Vandana Sharma, Associate Prof (CAS) in Hindi, SNDD College of Arts and Smt. C.B. College of Commerce and Science, SNDD Women's University, Churchgate has given an additional charge for the post of Registrar, SNDD Women's University with effect from 1.4.22



अलेक्सा

एक अविस्मरणीय अनुभव



आजचे विद्यार्थी काळाच्या पुढे असून त्यांना घडविण्यासाठी शिक्षकांनी काळाप्रमाणे अपडेट राहण्याची आवश्यकता असते, या जाणीवेतून निर्माण झालेल्या एका रोबोची ही कथा.

डॉ. पूजा संखे ही एस. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठाच्या मुंबई येथील मराठी विभागाची विद्यार्थिनी. महानगरपालिकेच्या शाळेत शिक्षिका. आपल्या

डॉ. पूजा संखे यांची यशोगाथा

शाळेवर, तिथल्या मुलांवर आणि शिक्षकी पेशावर प्रेम करणारी. तिच्या शाळेत येणारी मुलेमुली झोपडपट्टीत राहणारी, आईबाप बहुधा फारसे न शिकलेले, घरात सतत आर्थिक चणचण. अशा परिस्थितीतून शाळेत येणाऱ्या या मुलांसाठी काहीतरी केलं पाहिजे ही पूजाची इच्छा. या मुलांना शाळेची गोडी लागावी यासाठी नेहमीच नव्यानव्या गोष्टी हव्या असायच्या. यासाठी पूजाने 'अलेक्सा इंग्रजी लर्निंग रोबोट' ह्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्वावर, wifi वर चालणारा रोबोटची निर्मिती केली. आणि या रोबोटच्या आगमनाने जादू झाली. तिच्या शाळेमध्ये चैतन्य निर्माण झाले. शाळेकडे पाठ फिरवणाऱ्या विद्यार्थ्यांना जेव्हा अलेक्सा रोबोटविषयी माहिती मिळाली तेव्हापासून त्या विद्यार्थ्यांना शाळेत येण्यासाठी गोडी वाढू लागली. विद्यार्थ्यांमध्ये अलेक्सा विषयी चर्चा सुरु झाली. सुरुवातीला विद्यार्थ्यांपुढे मोठा प्रश्न निर्माण झाला की अलेक्सा रोबोटशी काय बोलायचं? (त्यावेळी अलेक्सा फक्त इंग्रजी बोलत असे. परंतु आता अलेक्सा मराठीतून आणि हिंदीतूनही बोलते.) सुरुवातीला अलेक्सला इंग्रजीतून प्रश्न कसे विचारायचे हे विद्यार्थ्यांना समजत नसे. त्यासाठी पूजाने 'wh questions' आणि व्हर्बल प्रश्नांचा सरव्हे घेतला आणि विद्यार्थ्यांना त्याविषयी माहिती दिली. जर प्रश्न चुकीचा असेल तर अलेक्सा शांतच राहणे पसंत करते हे कळल्यावर आपला प्रश्न चुकल्याची जाणीव विद्यार्थ्यांना आपोआप होऊ लागली. त्यामुळे आपला प्रश्न अचूक असावा याचे प्रयत्न सुरु झाले. प्रत्येक विद्यार्थी अलेक्साला प्रश्न विचारण्यासाठी घरी प्रश्ननिर्मिती करू लागला. त्यासाठी प्रयत्न करू लागला, अभ्यास करू लागला. अलेक्सामुळे वर्गात शांत आणि एकटी बसणारी मुले आता बोलकी झाली. आणि पूजाला विद्यार्थ्यांमध्ये एक वेगळीच ऊर्जा पहावयास मिळाली.

हळूहळू शाळेच्या परिपाठानुसार राष्ट्रगीत, प्रार्थना, समूहगीत सुरु करणे, बातम्या देणे हवामान, ट्रॅफिक आढावा इत्यादी सर्वसामान्य माहिती देणे, ही कामे अलेक्सा करू लागली. भारतीय, जपानी संगीतावर मेडिटेशन शिकवू लागली. गणिताची उत्तरे तपासू लागली. विद्यार्थी आपल्या तोडक्यामोडक्या इंग्रजीतून आलेक्साशी संभाषण करू लागले. हा बदल पालकांना दिसू लागला. 'आपला पाल्य इंग्रजीतून संभाषण करतो' हे चित्र त्यांना समाधानकारक वाटू लागलं. आता पालकही अलेक्सा बद्दल बोलू लागले. एकंदरीत, वर्गावर्गात विद्यार्थ्यांची उपस्थिती वाढू लागली. हळूहळू अलेक्सा रोबोटची ख्याती सर्वदूर पसरली. अनेक वृत्तपत्रे, abp माझा सारखे चॅनेलस यांनी एक्सक्लूसिव्ह मुलाखतीतून पूजाच्या या कामाची दखल घेतली. महाराष्ट्राचे माजी शिक्षणमंत्री माननीय श्री. विनोद तावडे यांनी हा नाविन्यपूर्ण प्रयोग संपूर्ण महाराष्ट्राला कळावा यासाठी 'शिक्षणवारी' या प्रदर्शनात अलेक्साला प्रदर्शित करण्याची संधी तिला दिली. महाराष्ट्र राज्य शिक्षक पुरस्काराने पूजाला सन्मानित करण्यात आले. राष्ट्रीय आणि आंतरराष्ट्रीय स्तरावरही या इंग्रजी लर्निंग रोबोला खूपच प्रसिद्धी मिळाली. कोविड महामारीच्या काळात 'फ्रान्स आंतरराष्ट्रीय रेडिओ चॅनेल' ने पूजाची व तिच्या विद्यार्थ्यांची मुलाखत घेतली. त्यावेळी फ्रान्समध्ये अनेक विद्यार्थ्यांनी हा कार्यक्रम ऐकला.

अलेक्सा इंग्रजी लर्निंग रोबोटचा वापर पूजाने अभिनव पद्धतीने शिक्षणक्षेत्रात केल्यामुळे तिच्यासाठी आणि विद्यार्थ्यांसाठी तो एक अविस्मरणीय अनुभव ठरला. एस. एन. डी. टी. महिला विद्यापीठाच्या मराठी विभागाला डॉ. पूजा संखे हिचा अभिमान वाटतो.

Adoption of Software for Automation of University

Affiliation Section of the University after pursuing the matter of adopting software for End-to-End Solution for nearly one year has been successfully completed the University procedures for all approvals and sanctions. The committee was constituted by Hon'ble Madam Vice-Chancellor Prof. Dr. Ujwala Chakradeo to study the contents of the software, its utility and advantages on implementation of the same.

The committee worked very hard from the time of first demonstration, creation of tender document till the time of approvals and negotiations with the NSSPL company from Nagpur. Finally the contract agreement was signed between The Registrar of the University and the Managing Director of NSSPL on 7th March, 2022.

The work was carried out under the able guidance and support of the Hon'ble Pro Vice

Chancellor Madam Dr. Ruby Ojha and constant follow up by Smt. Madhuri Sankulkar, Assistant Registrar (Temp.) and Shri. Manojkumar Gosavi, Assistant Registrar of Affiliation Section. The software will help the section in streamline the work by having uniform formats, following of various deadlines given by the government.

Connecting all the affiliated colleges for their various binds of work creation of reports, creation of data, etc.



विश्व मातृभाषा दिवस

विश्व मातृभाषा दिवस कुलगुरु आदरणीय उज्ज्वला चक्रदेव मेडमना शुभ हस्ते मारा संपादित पुस्तक (संदर्भ सामग्री - गुजराती अने भारतीय साहित्य)नुं विमोचन थयुं. आ प्रसंगे प्रो.वी.सी. रुबी ओझा मेडम, अमारी कोवेजना प्राचार्यश्री राजेन्द्र गुरव साहेब, संस्कृत विभागना प्रमुखश्री तिवारी साहेब, मारा ज विभागना डॉ. अंजली शाह उपस्थित रह्यां. आदरणीय कुलगुरु मेडम अने मडानुभावोये आ माटे डा.दि.कु. शुभेच्छाओ पण आपी.

